

● मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16
अनुक्रमांक २१... १२.....

नाम ... kumar.....

102 302(DJ)

2021

सामान्य हिन्दी

समय : 2 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है ।

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. प्रश्न संख्या 1 एवं 2 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $5 \times 2 = 10$ अंक
2. प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $5 \times 4 = 20$ अंक

XII-666

[Turn over

302(DJ)

2

3. प्रश्न संख्या 5 (क) एवं 5 (ख) में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $6 + 4 = 10$ अंक
4. प्रश्न संख्या 6 एवं 7 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 10 अंक

(खण्ड-ख)

5. प्रश्न संख्या 8 (क) एवं 8 (ख) में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $10 + 4 = 14$ अंक
6. प्रश्न संख्या 9 2 अंक
7. प्रश्न संख्या 10 एवं 11 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 13 अंक

(प्रश्न 10 (क) = $3 \times 3 = 9$ अंक, प्रश्न 10 (ख) = $2 \times 2 = 4$ अंक, प्रश्न 11 = $5 \times 2 = 10$ अंक, प्रश्न 11 (घ) = $1\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2} = 3$ अंक)

8. प्रश्न संख्या 12 एवं 13 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 12 अंक
- (प्रश्न 12 = $4 \times 3 = 12$ अंक, प्रश्न 13 = $8 + 4 = 12$ अंक)

9. प्रश्न संख्या 14 9 अंक

XII-666

(खण्ड-क)

1. क) 'विचार और वितर्क' के लेखक हैं
- हरिशंकर परसाई
 - वासुदेवशरण अग्रवाल
 - ~~iii~~ डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ✓
 - डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।
- ख) वासुदेवशरण अग्रवाल रचयिता हैं
- ~~i~~ कल्पवृक्ष के
 - पूर्वोदय के
 - धरती के फूल के
 - साहित्य-सहचर के ।
- ग) 'ब्राह्मण' पत्र के सम्पादक हैं
- बालकृष्ण भट्ट ~~ii~~ प्रतापनारायण मिश्र
 - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
 - यशपाल ।
- घ) आधुनिक गद्य का जनक माना जाता है
- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' को
 - महावीर प्रसाद द्विवेदी को
 - रायकृष्ण दास को
 - ~~iii~~ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को ।
- ङ) 'आलोक पर्व' की विधा है
- उपन्यास
 - नाटक
 - ~~iii~~ निबन्ध
 - कहानी ।

302(DJ)

4

2. क) हिन्दी साहित्य का प्रथम कवि माना जाता है

- ~~i)~~ सरहपा को ii) नरपति नाल्ह को
iii) चन्दवरदायी को iv) जगनिक को ।

ख) प्रगतिवादी युग के कवि हैं

- ~~i)~~ नागार्जुन
ii) गिरिजाकुमार माथुर
~~iii)~~ शिवमंगल सिंह सुमन
iv) श्रीधर पाठक ।

→ जो कवि दोनो हैं।

ग) 'अधखिला फूल' रचना की विधा है

- i) नाटक ~~ii)~~ उपन्यास
iii) काव्य iv) चम्पू काव्य ।

घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है

- ~~i)~~ अनघ ii) प्रेम-सरोवर
iii) चित्रांधार iv) गीतिका ।

ड) नयी कविता युग की रचना है

- i) यामा
ii) प्रलय-सृजन
~~iii)~~ धूप के धान
iv) आँगन के पार द्वार ।

→ गिरिजाकुमार

XII-666

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का बन्धन है । इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है । जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है ?
- iii) किस मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है ?
- iv) किस पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है ?
- v) पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य क्या है ?

अथवा

302(DJ)

6

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
हम और
कारा आर्य
(तेजस्वीमानस सम्पत्ति अंश)
ए पी जे अबुल
कलाम
- ii) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह किसका स्वरूप है ?
ऊर्जा का
- iii) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है ?
हम ऊर्जा के ही अंश हैं।
- iv) कौन एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं ?
आत्मा और पदार्थ
- v) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ?
भौतिक पदार्थों की
इच्छा रखना।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे,
नीले वितान के तले दीप बहु जागे ।
टकटकी लगाये नयन सुरों के ये वे,
परिणामोत्सुक उन भयातुरों के थे वे ।
उत्फुल्ल करौंदी-कुंज वायु रह रहकर,
करती थी सबको पुलक-पूर्ण मह महकर ।
वह चन्द्रलोक था, कहाँ चाँदनी वैसी,
प्रभु बोले गिरा गभीर नीरनिधि जैसी ।

- i) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।
- ii) किसके नीचे नक्षत्र रूपी असंख्य दीपक जगमगा रहे थे ?
- iii) रात्रि के वातावरण में तारागण किसके सदृश दिखाई दे रहे थे ?
- iv) कहाँ से आती हुई सुगन्धित वायु सभा में बैठे लोगों को रोमाञ्चित कर रही थी ?
- v) 'वह चन्द्रलोक था, कहाँ चाँदनी वैसी' का अभिप्राय लिखिए ।

अथवा

302(DJ)

8

किन्तु नर-प्रज्ञा सदा गतिशालिनी, उदाम,
ले नहीं सकती नहीं रुक एक पल विश्राम ।
यह परीक्षित भूमि, यह पोथी पठित, प्राचीन,
सोचने को दे उसे अब ब्रात कौन नवीन ?
यह लघुग्रह भूमिमण्डल, व्योम यह संकीर्ण,
चाहिए नर को नया कुछ और जग विस्तीर्ण ।

- i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए
ii) कवि ने नर-प्रज्ञा के सम्बन्ध में क्या सन्देश दिया है ?
iii) 'संकीर्ण' और 'विस्तीर्ण' का अर्थ लिखिए ।
iv) भूमि और आकाश किसको नहीं छिपा सकते ?
v) 'जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

XII-666

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) जयशंकर प्रसाद ii) सुमित्रानन्दन पन्त
iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी का सारांश लिखिए ।

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

302(DJ)

10

- ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

- iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

- v) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

XII-666

- vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारविभवभूत्यादयो । महा कवयः, स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया नन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वञ्च सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

302(DJ)

12

हिन्दी-संस्कृताङ्गलभाषासु अस्य समानः
अधिकारः आसीत् । हिन्दी-
हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं
प्रयत्नमकरोत् शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः
प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां
काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य
निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च
महत्त्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन
निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां
दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च
प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

(ख) दिये गये संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का
ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।

तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

XII-666

13

302(DJ)

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) अन्धे की लकड़ी होना

(ii) सावन हरे न भादो सूखे

(iii) पापड़ बेलना

(iv) दाल में काला होना ।

अज्ञानता लकड़ी होना
सभी दिन एक जैसे
संघर्ष करना
संदेह धुंधला होना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अन्वेषणम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अन्वे + षणम् (ब) अनु + एषणम्

(स) अन + वेषणम् (द) अनौ + एषणम्।

(ii) 'राजर्षिः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) राज् + ऋषिः (ब) रा + र्षिः

(स) राज + ऋषिः (द) राज्ञः + ऋषिः।

(iii) 'नयनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नय + नम् (ब) नै + अनम्

(स) नै + नम् (द) ने + अनम्।

(सही)
राजा + ऋषि

XII-666

[Turn over

302(DJ)

14

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' का सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

- ~~(अ)~~ तृतीया विभक्ति, एकवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन
(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है

- (अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(ब) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन
(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
~~(द)~~ सप्तमी विभक्ति, बहुवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) वसन-व्यसन -

- (अ) विवश और व्याकुल
~~(ब)~~ वस्त्र और आदत
(स) कवच और भोजन
(द) विस्तार और अवधि ।

(ii) अंश-अंस -

- (अ) भाग और अंकुर
(ब) हिस्सा और पक्षी
~~(स)~~ हिस्सा और कन्धा
(द) कन्धा और हिस्सा ।

XII-666

15

302(DJ)

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

(i) अम्बर

अला
आकाश

(ii) द्विज

पत्नी
ब्राह्मण

(iii) पतंग ।

पुर्ज
पतंग (छेद)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किए गए उपकार को निमानने वाला -

(अ) कृतज्ञ (ब) कृतघ्न

(स) घृणास्पद (द) अनाथ ।

(ii) जो पहले कभी न हुआ हो -

(अ) अद्वितीय (ब) अनुपम

(स) अभूतपूर्व (द) अपवाद ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) इस सरोवर में ~~अनेकों~~ ^{अनेक} कमल खिले हैं ।

(ii) सम्मेलन में ~~कवित्री~~ ने भाग लिया ।

(iii) एक ~~फूल~~ की माला लाओ ।

(iv) क्या वह अपनी परीक्षा दी ?

कवयित्री
(एक गाला लाओ)

दुले

XII-666

[Turn over

12. (क) 'करुण' रस अथवा 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए।
(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।
(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण भी लिखिए।
13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

अथवा

किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन-सामग्री की दूकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :
- पर्यावरण सन्तुलन में वृक्षारोपण का महत्व
 - 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'
 - साहित्य में लोक-कल्याण की भावना
 - बढ़ती जनसंख्या तथा रोजगार की समस्या।

302(DJ)

XII-666